एलकेजी और यूकेजी में कविताओं के ज़रिए भाषा शिक्षण

कविता कपिल

आँगनवाड़ी में आने वाले बच्चों के साथ कविताओं और कहानियों के ज़रिए संवाद करना रुचिकर और अर्थपूर्ण होता है। यदि सीखने के प्रतिफलों को ध्यान में रखते हुए बच्चों के सन्दर्भ व रुचियों के अनुरूप कविताओं और कहानियों का चयन किया जाए तब प्रतिफल हासिल करने के अवसर बढ़ जाते हैं। इस लेख में कुछ ऐसी ही कविताओं के साथ आयोजित भाषा गतिविधियों के अनुभव दर्ज हैं।

पिछले पाँच सालों से, मैं आँगनवाड़ी के बच्चों के साथ कविता सुनने-सुनाने, और उनको लय के साथ गाने को लेकर काम कर रही हूँ। कविताएँ गाना और सुनना, उन्हें बहुत पसन्द होता है। यहीं से एक विचार उभरा कि कविता पर और कौन-सी गतिविधियाँ हो सकती हैं जिनके माध्यम से बच्चों के साथ पढ़ने-पढ़ाने का काम किया जा सकता है।

इसे समझने में *एनसीएफ़-एफ़एस 2023** से मदद मिली। यह दस्तावेज़ 4 से 5 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए हिन्दी और अँग्रेज़ी, दोनों भाषाओं में हासिल किए जाने वाले कुछ प्रतिफलों की बात करता है।

- बच्चे घर और आस-पड़ोस में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं के गीतों को मज़े से सुनें, और गुनगुनाएँ;
- लिखी सामग्री को बाएँ से दाएँ, और ऊपर से नीचे की ओर पढ़ना सीखें;
- कक्षा में, विद्यालय में, खेलते समय अपने शिक्षकों व साथियों से दैनिक जीवन से जुड़ी बातचीत में प्रतिभाग करें;
- पहली आवाज़ की मदद से परिचित शब्दों को पढ़ पाएँ;
- कविता में आए एक जैसे, तुकान्त शब्दों का आनन्द ले पाएँ; आदि।

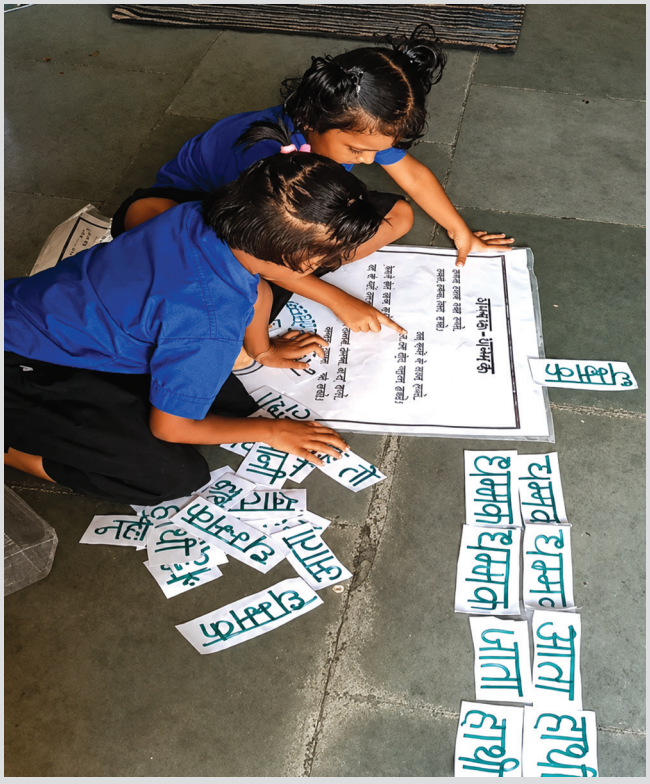

चित्र 1 : याद की गई कविता के शब्द मिलाते विद्यार्थी

चित्र 2 : कविता पट्टियों से कविता बनाने के लिए अनुमान लगाती छात्रा

इन सभी प्रतिफलों को ध्यान में रखते हुए कविता के माध्यम से काम करने की तैयारी की। शुरुआत कविताओं के चयन से की गई। 4 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए 4-5 पंक्तियों वाली सरल और अर्थपूर्ण कविताएँ चुनी गईं। जैसे–

हाथी राजा बहुत भले
सूँड हिलाते कहाँ चले
मेरे घर आ जाओ न!
हलुवा पूड़ी खाओ न!

वह देखो वह आता चूहा
आँखों को चमकाता चूहा
लम्बी पूँछ हिलाता चूहा
मूँछों में मुस्काता चूहा
बिल्ली से डर जाता चूहा

इस तरह की अर्थपूर्ण कविताएँ बच्चों को बातचीत के बहुत सारे अवसर देती हैं। इन्हें बड़े और स्पष्ट शब्दों में चार्ट पर लिखा। यह पहला मौक़ा होता है जब बच्चे अपनी पसन्दीदा कविता को लिखित रूप में देखते हैं। यह बहुत ज़रूरी है कि बच्चे ऐसी कविताएँ देखें जिनसे उनका जुड़ाव कविता के भावों से बनता हो।

कक्षा के दौरान

पहले दिन कविता को बच्चों के साथ हावभाव से गाया गया। यह कविता थी–

मुर्ग़ी माँ घर से निकली,
झोला ले बाज़ार चली।
बच्चे बोले चें चें चें
अम्मा हम भी साथ चलें।

बच्चों से इस पर बात की गई। यह कविता परिवार के बारे में बात करने के बहुत सारे मौक़े देती है। मैंने पूछा, "आप मम्मी के साथ कहाँ-कहाँ जाते हैं?" उत्तर में बच्चों ने बताया कि वे नानी के घर, दुकान और शाम को घूमने जाते हैं। इसी तरह पूछे गए अन्य प्रश्नों के उत्तर देते हुए उन्होंने यह भी बताया कि मम्मी कौन-कौन सा सामान लेने बाज़ार जाती हैं; मम्मी के साथ बाहर जाने के लिए वे क्या करते हैं; आदि। इसके बाद 'कितना पानी' कविता को गाया गया, और उस पर भी बातचीत शुरू हुई–"*मछली के अलावा और कौन-कौन पानी में रहता है?*", पूछने पर बच्चों ने जलचर जानवरों के बारे में बताया। यह भी बताया कि मछली अगर पानी से बाहर आ जाए तो क्या होगा। इस तरह दैनिक जीवन से जुड़ी बातचीत को अभिव्यक्त करने में अर्थपूर्ण कविताएँ मदद करती हैं।

उँगली रखकर पढ़ना

अब बच्चों का परिचय 'कविता चार्ट' से कराया गया। उन्हें बताया कि जो कविता हम गा रहे थे वह ऐसे लिखी जाती है। उस समय उनके चेहरों पर ख़ुशी के भाव थे। ख़ुशी इस बात की कि कुछ नया हो रहा है। अब तक हम कक्षा में 'म' की ध्वनि और बनावट को लेकर काम कर चुके थे। कुछ बच्चों ने 'मुर्ग़ी माँ' कविता में 'म' देखना शुरू किया। कक्षा में कुछ बातचीत शुरू हुई। जैसे–

पहला बच्चा : मैम, इसमें तो 'म' लिखा है!

दूसरा बच्चा : मैम, 'म' तो बहुत सारे हैं!

शिक्षिका : 'म' से क्या-क्या चीज़ें होती हैं?

बच्चे : मैम, मुर्ग़ी, मछली और मम्मी!

इस शुरुआती बातचीत के बाद मैंने पढ़ने को लेकर कुछ बातें कीं। उदाहरण के लिए, पढ़ते वक़्त हमें बाएँ से दाएँ की ओर जाना है, और ऊपर से शुरू करके नीचे की ओर। इसके बाद कविता को एक छोटी छड़ी की सहायता से पढ़ा जिससे सभी बच्चे चार्ट में शब्दों की लिखावट को, और मुझे भी देख पाएँ। फिर कुछ बच्चों ने चार्ट पर कविता पढ़ने की पहली कोशिश की। मैंने अनुभव किया कि शुरुआत में बच्चे कविता चार्ट में पहले शब्द पर उँगली रख रहे थे, और कविता बोलते हुए अपनी उँगली को आगे की ओर नहीं बढ़ा रहे थे। उदाहरण के लिए, बच्चे ने अपनी उँगली मुर्ग़ी पर रखी और पूरी पंक्ति बोली, "मुर्ग़ी माँ घर से निकली।" इस दौरान उसकी उँगली मुर्ग़ी पर ही रही। यहाँ से बच्चों के साथ पंक्तियों को लेकर काम करना शुरू किया। अब जब नए चार्ट बनाए तब कविता की पंक्तियों को दो अलग रंगों से लिखा ताकि उन्हें दो पंक्तियों का अन्तर समझ आए। उसके बाद बच्चों ने उँगलियों को ऊपर से नीचे की ओर बढ़ाना शुरू किया।

> **यह बहुत ज़रूरी है कि बच्चे ऐसी कविताएँ देखें जिनसे उनका जुड़ाव कविता के भावों से बनता हो।**

रीडिंग कॉर्नर

कविता से जुड़ी गतिविधियाँ पूरी होने के बाद बच्चों से बात की कि अब इस कविता चार्ट को रीडिंग कॉर्नर में लगाएँगे। उन्हें यह भी बताया कि जब भी आपको ख़ाली समय मिले, आप यहाँ आकर कविताएँ पढ़ सकते हैं। अब बच्चों को जब भी अवसर मिलता है या अपना काम जल्दी ख़त्म कर लेते हैं, रीडिंग कॉर्नर में जाकर कविताएँ पढ़ते हैं। शुरुआत में, मैंने रीडिंग कॉर्नर में लगे कविता चार्ट को उनके साथ पढ़ना शुरू किया। बाद में यह गतिविधि बच्चों की पढ़ने की आदत का हिस्सा बन गई। कविताओं के साथ की गई इन गतिविधियों के बाद अवलोकन में पाया गया कि एलकेजी के सभी बच्चे बिना झिझक के हावभाव के साथ कविता सुनाने लगे हैं, और चार्ट में कविता पढ़ते समय उनकी उँगली उसी पंक्ति पर होती है जिसे वे बोल रहे होते हैं। एलकेजी के लिए जिन कुछ प्रतिफलों की बात *एनसीएफ़-एफ़एस 2023* में की गई है, उन्हें इन गतिविधियों के द्वारा पूरा किया जा सकता है।

यूकेजी के बच्चे और कविताएँ

5-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए *एनसीएफ़-एफ़एस 2023* में दोनों भाषाओं के जिन प्रतिफलों की बात गई है, उनमें से कुछ हैं–

- छोटे-छोटे गीतों और कविताओं को गा सकें, गुनगुना सकें;
- परिचित गीतों और कविताओं को ध्यान से सुन सकें, और उनके बारे में बातचीत कर सकें;
- परिचित कविताओं से तुकान्त शब्दों को पहचान सकें, नए तुकान्त शब्द बना सकें;
- दो शब्दों के बीच में जगह होती है, यह पहचानना शुरू कर सकें;
- जिन अक्षरों को वे जानते हैं, उनसे बने शब्दों में एक उच्चारण-इकाई (सिलेबल) वाले शब्दों को पढ़ सकें; आदि।

इन प्रतिफलों को प्राप्त करने के लिए कुछ नई गतिविधियाँ की जाती हैं जो यूकेजी के बच्चों के स्तर की होती हैं। साथ ही, ऊपर दी गई सभी गतिविधियाँ भी यूकेजी कक्षा में दोहराई जाती हैं।

कक्षा के पहले की तैयारी

एलकेजी में वाक्यों को लेकर बच्चों की कुछ समझ बन चुकी होती है। यूकेजी के स्तर पर उनके साथ शब्दों की समझ को लेकर काम किया जाता है। इसके लिए भी सबसे पहले कविता का चयन किया जाता है। इस स्तर के लिए 6-8 पंक्तियों वाली कविताएँ ही चुनी गईं। *जैसे–लाल टमाटर-लाल टमाटर, मैं तो तुमको खाऊँगा, अभी न खाओ मैं कुछ दिन में, और अधिक पक जाऊँगा,* आदि। इसके बाद कविता के चार्ट बनाए, और इसकी पंक्तियों को अलग-अलग लिखा। शुरू के कुछ महीनों में बच्चों के साथ कविता की बिखरी हुई पंक्तियों को जोड़ने जैसी गतिविधियाँ की जाती हैं। उसके बाद कविता में आए शब्दों को अलग-अलग किया जाता है। इन शब्दों को वाक्यवार छाँटकर उनसे वाक्य बनाने की गतिविधि कराई जाती है।

पंक्तियों को जोड़कर कविता बनाना

इस गतिविधि में बच्चे जब कविता से परिचित हो जाते हैं, उन्हें कविता की पंक्तियों से पूरी कविता बनानी होती है। इसमें कविता की पंक्तियों को अलग-अलग काटकर बच्चों को दिया जाता है। एक चार्ट पर पूरी कविता लिखी होती है। जब बच्चों का परिचय इस गतिविधि से कराया गया तो उनके कुछ सवाल थे। वे पूछ रहे थे कि हम कविता की पंक्ति कैसे लगाएँगे; कौन-सी पंक्ति पहले आएगी; आदि।

बच्चों की मदद करते हुए उन्हें बताया कि हम दी गई पट्टियों में लिखी हुई पंक्तियों के पहले वर्ण को कविता चार्ट में लिखी पंक्तियों के पहले वर्ण से मिलाएँगे। उदाहरण के लिए, 'मुर्ग़ी माँ' कविता में बच्चे जब पहली पंक्ति को ढूँढ़ेंगे, वे देखने की कोशिश करेंगे कि किस पंक्ति की शुरुआत में 'म' वर्ण आया है। उसके बाद उन्होंने हर पंक्ति के पहले वर्ण की मदद से कविता चार्ट पर पंक्तियाँ रखकर पूरी कविता बनाने की गतिविधि को पूरा किया।

आगे की कविताओं में बच्चों का एक और सवाल सामने आया। इसमें उन्होंने पूछा, "मैम देखो, पहला वर्ण दोनों पंक्तियों में एक जैसा है!" उदाहरण के लिए–

अण्डा झूल रहा था झूला,
अपने पंखों पर झूलेंगे

दोनों ही पंक्तियाँ 'अ' वर्ण से शुरू होती हैं।

बच्चों की मदद करते हुए, मैंने उनका ध्यान पूरे शब्द की ओर दिलवाया।

पूरा शब्द देखने पर उनका ध्यान अन्य वर्णों पर गया। उन्होंने पाया कि दोनों में आख़िरी वर्ण अलग है। उदाहरण के लिए, 'अण्डा' और 'अपने' शब्द को ध्यान से देखें तो समझ आता है कि 'अण्डा' शब्द में आख़िरी वर्ण 'ड' है और 'अपने' में 'न' वर्ण है। यहाँ से कविता बनाने की गतिविधि में बच्चों ने पूरे शब्द को देखकर कविता की पंक्तियों की मदद से कविता को पूरा किया। इस तरह आगे बच्चों के साथ शब्द और उसकी आख़िरी वर्ण की ध्वनि को लेकर काम करना शुरू किया गया।

चित्र 3 : याद की गई कविता को उँगली लगाकर पढ़ता बच्चा

कविता के चित्र

बच्चे विद्यालय से घर जाने के बाद भी कविताएँ पढ़ें, और माता-पिता भी इसमें उनकी मदद कर पाएँ, इसलिए मैंने उनकी कॉपी में कविता की पट्टी लगा दी। कुछ दिन बाद एक बच्चे ने पूछा, "मैम, इसके नीचे चित्र बना लें क्या?" इसके बाद हमने सभी बच्चों के साथ कविता के चित्र बनाने की गतिविधियाँ कीं। उन्होंने बहुत बारीक़ी से कविता पर चित्र बनाए, और उन चित्रों को लेकर बात भी की।

चित्र 4 में 'चिड़ियों का स्कूल' कविता का चित्रण किया गया है। इसमें बच्चों ने चिड़िया के साथ-साथ विद्यालय आते समय दिखने वाली दुकानों और चिड़िया को खाना खाते हुए दिखाया है। इस तरह से यह गतिविधि उन्हें स्वतंत्र अभिव्यक्ति के मौक़े देती है।

शब्दों की समझ

शब्दों की समझ के लिए बच्चों के साथ दो गतिविधियाँ की जाती हैं। पहली, जिसमें शिक्षिका यानी यहाँ मैं, कविता के कुछ शब्द बोलती हूँ, और बच्चों को उन्हें कविता में से ढूँढ़कर कॉपी में लिखना होता है। दूसरी गतिविधि में, बच्चों को कविता के शब्द कार्ड दिए जाते हैं जिन्हें मिलाकर वे पूरी कविता बनाते हैं।

चित्र 4 : कविता के भाव को चित्र में उकेरने की एक कोशिश

समेकन

कविता भाषा शिक्षण के प्रति आकर्षण पैदा करती है। इससे किसी दी गई विषयवस्तु के बारे में सोचने, कल्पना करने, अनुमान लगाने और निष्कर्षों तक पहुँचने में सहूलियत होती है, तथा मज़ा भी आता है। शुरुआती स्तर पर कविताएँ बच्चों को भाषा का उपयोग करने का मौक़ा देते हुए, अपनी को भाषा समृद्ध करने, उसमें आनन्द लेने के अवसर देती हैं।

सन्दर्भ

- Page 184, Chapter 6, Assessment C–9.1, Balvatika 2 & Balvatika 3, *NCF–FS (2022)* and Page 138, Chapter 5, Content of Language, Competency C–9.2, *NCF–FS (2022)*
- Page 259–271, C–9.4, C–9.7, C–10.1, Language and Literacy Development, *NCF–FS (2022)*

कविता कपिल पिछले 8 सालों से छोटे बच्चों के साथ सीखने-सिखाने को लेकर काम कर रही हैं। वर्तमान में, वे अज़ीम प्रेमजी स्कूल, दिनेशपुर, उत्तराखण्ड में एलकेजी व यूकेजी के बच्चों को पढ़ाती हैं।

सम्पर्क : kavita.kapil@azimpremjifoundation.org